प्रसार शिक्षा निदेशालय, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा
प्रसार शिक्षा परिषद चतुर्थ बैठक विवरण

क्रमांकः प्र.शि.नि./प्र.शि.प./2021/3689-3719 दिनांकः–15-3-2021

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की प्रसार शिक्षा परिषद की चतुर्थ बैठक दिनांक 27.02.2021 को प्रोफेसर डी.सी. जोशी, माननीय कुलपति कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की अध्यक्षता में कृषि प्रौद्योगिकी प्रबन्धन एवं गुणवत्ता सुधार केन्द्र के सभागार में आयोजित की गई, जिसमें निम्न पदाधिकारियों ने भाग लिया–

1	डॉ. अरूण ए. पटेल, पूर्व निदेशक प्रसार शिक्षा, आनंद कृषि विश्वविद्यालय, आनंद, गुजरात	सदस्य
2	डॉ. एस.के. शर्मा, निदेशक प्रसार शिक्षा, स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर	सदस्य
3	डॉ. रामावतार शर्मा, संयुक्त निदेशक (कृषि), कोटा खण्ड, कोटा	सदस्य
4	डॉ. अशोक कुमार, प्रधान वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, आई. आई.एस.डब्ल्यू.सी.आर.सी., कोटा	सदस्य
5	डॉ. आई. बी. मोर्या, अधिष्ठाता उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़	सदस्य
6	डॉ. एम.सी. जैन, अधिष्ठता, कृषि महाविद्यालय, कोटा	सदस्य
7	डॉ. प्रताप सिंह, निदेशक अनुसंधान, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
8	डॉ. ममता तिवारी, निदेशक मानव संसाधन विकास, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
9	डॉ. जितेन्द्र सिंह, निदेशक छात्र कल्याण, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
10	डॉ आशुतोष मिश्रा, निदेशक शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
11	डॉ. मुकेश चन्द गोयल, निदेशक पी.एम. एण्ड ई., कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
12	डॉ. एन.एल. मीणा, क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान, उम्मेदगंज, कोटा	सदस्य
13	डॉ. अमृता, सहायक निदेशक, मत्स्य विभाग, कोटा	सदस्य
14	श्री सुधीर मान, मुख्य क्षेत्रीय प्रबन्धक, इफको, कोटा	सदस्य
15	श्री मुकेश कुमार वर्मा, क्षेत्रीय प्रबन्धक, राष्ट्रीय बीज निगम, कोटा	सदस्य
16	श्री अवधेश कुमार मिश्रा, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, एन.एच.ए.आर.डी.एफ., कोटा	सदस्य
17	डॉ. डी.के. सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता (बारां)	सदस्य
18	डॉ. महेन्द्र सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा	सदस्य
19	डॉ. बच्चू सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, हिण्डौन(करौली)	सदस्य
20	डॉ. हरीश वर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी	सदस्य
21	डॉ. अर्जुन वर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड	सदस्य
22	श्री बी.एल. मीणा, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाईमाधोपुर	सदस्य
23	डॉ. बलदेव राम, सह प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष (शस्य विज्ञान), कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
24	डॉ. एस.सी.शर्मा, सह प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष (पादप प्रजनन एवं आनुवांशिकी), कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
25	श्री प्रेम चन्द पाटीदार, प्रगतिशील कृषक, दीवलखेड़ा, झालावाड़	सदस्य

26 श्री शिवचरण गोस्वामी, प्रगतिशील कृषक, नागदा की झोपड़ियां, अन्ता — सदस्य

27 श्री अनुप मीणा, प्रगतिशील कृषक, सपोटरा, करौली। — सदस्य

28 डॉ राकेश कुमार बैरवा, सहायक प्राध्यापक, कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा — रेपर्टीयर

29 डॉ. के.एम. गौत्तम, तकनीकी सलाहकार, माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा — विशेष आमंत्रित सदस्य

30 डॉ. वीरेन्द्र सिंह, परीक्षा नियंत्रक, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा — विशेष आमंत्रित सदस्य

31 डॉ. एस.के. जैन, निदेशक प्रसार शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा — सदस्य सचिव

सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत की गई। डॉ. एस.के. जैन, निदेशक, प्रसार शिक्षा द्वारा माननीय अध्यक्ष महोदय एवं सभी अतिथियों का स्वागत किया गया तथा प्रसार शिक्षा परिषद की बैठक के उद्देश्य के बारे में सभी सदस्यों को अवगत कराया। तत्पश्चात् माननीय अध्यक्ष महोदय की अनुमति से डॉ. एस.के. जैन द्वारा गत प्रसार शिक्षा परिषद की बैठक (दिनांक 27.01.2020) की कार्यवाही विवरण पर क्रियान्विति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई जिसका सदन द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

तृतीय परिषद की बैठक में विभिन्न सदस्यों द्वारा दिये गये सुझावों पर क्रियान्विति प्रतिवेदन सभी सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। जिस पर सभी सदस्यों ने अपनी सहमति जताई। बैठक में प्रसार शिक्षा परिषद के सचिव डॉ. एस.के. जैन, निदेशक प्रसार शिक्षा ने निदेशालय के साथ–साथ 6 कृषि विज्ञान केन्द्रों (कोटा, बून्दी, बारां, झालावाड़, सवाईमाधोपुर एवं करौली) द्वारा जनवरी 2020 से दिसम्बर 2020 में की गई विभिन्न गतिविधियों पर विस्तृत प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा आगामी वर्ष की योजना के लिए सभी सदस्यों से सुझाव आंमत्रित किये गये। बैठक में विश्वविद्यालय के कुलपति एवं विशिष्ठ अतिथियों द्वारा प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा प्रकाशित कृषि पंचाग–2021 एवं अभिनव कृषि के नवीन अंक दिसम्बर 2020 का विमोचन किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र सिंह, झालावाड़ के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. अर्जुन वर्मा, कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. हरीश वर्मा, कृषि विज्ञान केन्द्र अन्ता के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. डी.के. सिंह, कृषि विज्ञान केन्द्र सवाईमाधोपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. बी.एल. मीणा एवं कृषि विज्ञान केन्द्र करौली के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. बच्चू सिंह द्वारा अपने–अपने कृषि विज्ञान केन्द्रों की गत वर्ष की मुख्य उपलब्धियाँ एवं आगामी कार्य योजना के मुख्य बिन्दु के बारे में सभी सदस्यों को अवगत कराया गया।

संयुक्त निदेशक (कृषि) डॉ. रामावतार शर्मा ने बताया कि कोटा संभाग में किसानों द्वारा पॉली हाउस लगाये गये है परन्तु उनकी समय पर मरम्मत के लिए कोई संस्था/उद्यमी नहीं है। इसलिये कृषि विज्ञान केन्द्र झालावाड़, बून्दी एवं कोटा पर पॉली हाउस रखरखाव पर प्रशिक्षण आयोजित किये जाये। मशरूम उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु कृषि विज्ञान केन्द्रों पर मशरूम प्रदर्शन इकाई व इच्छुक बेरोजगार युवाओं हेतु प्रशिक्षण आयोजित किये जाये। डॉ. शर्मा ने इस बात पर भी जोर दिया कि कृषि विज्ञान केन्द्र अन्ता पर औषधीय पौधों की अच्छी संग्रहण इकाई हैं। अतः अन्य कृषि विज्ञान केन्द्रों पर भी औषधीय पौधों की संग्रहण इकाई स्थापित करने के प्रयास किये जाये। सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों पर स्थित पौधशाला का राष्ट्रीय उद्यानिकी बोर्ड द्वारा मान्यता के प्रयास किये जाये। संभाग में गेहूँ फसल कटाई उपरान्त नोलाई जलाने की ज्वलन्त समस्या हैं। अतः कृषकों में जागरूकता हेतु कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा प्रशिक्षण, कृषक गोष्ठी आदि आयोजित किये जाये एवं विभाग द्वारा चारा बनाने की मशीन तथा रोटावेटर पर सब्सिडी की

जानकारी भी कृषकों को उपलब्ध करवाई जाये। डॉ. शर्मा ने बताया कि कृषि विज्ञान केन्द्रों पर आदान विक्रेताओं हेतु खुदरा उर्वरक विक्रेता प्रशिक्षण एवं देशी प्रोग्राम आयोजित किये जाये।

बैठक में झालावाड़ के प्रगतिशील कृषक श्री प्रेम चन्द पाटीदार, करौली के अनूप मीणा एवं बारां के शिवचरण गोस्वामी ने अपने अनुभव बताते हुए कृषि विज्ञान केन्द्रों पर फलदार बगीचों में बून्द–बून्द सिंचाई पद्धति, नई किस्मों का बीज उत्पादन एवं वैज्ञानिकों द्वारा गाँव में जाकर सायं कालीन कृषक चौपाल में भाग लेने पर जोर दिया।

इफको के क्षेत्रीय प्रबन्धक श्री सुधीर मान ने सुझाव दिया कि तरल उर्वरक एनःपीःकेः 19:19:19 के अच्छे परिणाम मिले हैं। जिसे पैकेज आफ प्रेक्टिस (सम्भागीय सिफारिश) में शामिल किया जाने के प्रयास कीये जावे। उन्होंने इफको द्वारा विकसित नेनो तकनीक उत्पादों का किसानों के खेतों पर प्रभाव जानने की आवश्यकता बताई। इन उत्पादों से यूरिया तथा दूसरे खादों की मात्रा को कम किया जा सकता है। अतः इन पर अनुसंधान किया जाना आवश्यक है। खुदरा उर्वरक विक्रेता प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को पोस मशीन के संचालन की जानकारी दी जाये।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, आई.आई.एस.डब्ल्यू.सी.आर.सी., कोटा के प्रधान वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने अपने विचार रखते हुए बताया कि प्रदर्शन लगाने हेतु कृषि विज्ञान केन्द्रों को प्रतिवर्ष नये गाँवों के समूह का चयन करना चाहिये।

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के निदेशक अनुसंधान डॉ. प्रताप सिंह ने सुझाव दिया कि प्रक्षेत्र अनुसंधान परिक्षणों का आयोजन क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार बैठक में विचार विमर्श करने के उपरान्त ही कृषकों के खेतों पर आयोजित किये जाने चाहिये।

डॉ. अमृता, सहायक निदेशक, मतस्य विभाग, कोटा ने सुझाव दिया कि कृषि विज्ञान केन्द्रों पर मछली पालन की जीवन्त इकाई स्थापित की जाये। जिससे कि कृषक मछली पालन हेतु प्रेरित हो।

कार्यक्रम में प्रख्यात प्रसार शिक्षाविद डॉ एस.के. शर्मा, निदेशक, प्रसार शिक्षा स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर ने सुझाव दिया कि कृषि विज्ञान केन्द्र पर समन्वित खेती पर मॉडल इकाई स्थापित की जाये। कृषि में सूचना एवं संचार तकनीकीयों (ICT) एवं इन्टरनेट उपयोग को बढ़ावा दिया जाये। कृषकों की दुगुनी आय हेतु चयनित गाँवों का मध्यान्तर मूल्यांकन करवाये जाये एवं इन गाँव के प्रत्येक कृषकों का मृदा स्वास्थ्य कार्ड बनवाया जाये। संभागीय सिफारिशों में मण्डी व बाजार आधारित सूचनाओं का संकलन किया जाये। कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा जिले में संचालित स्वयं सहायता समूहों को समावेशित करते हुए कृषक उत्पादन संगठन को बढ़ावा दिया जाये। कृषक प्रशिक्षणों में जिले में संचालित विभिन्न विभागों जैसे कृषि, उद्यानिकी, आत्मा एवं पशु पालन द्वारा संचालित कृषक हितेषी एवं लाभकारी योजनाओं की जानकारी दी जाये एवं कस्टम हायरिंग सेन्टरों को बढ़ावा दिया जाये। कृषि विज्ञान केन्द्रों पर अधिक से अधिक जीवन्त इकाईयों की स्थापना की जाये जिससे कि कृषक देख कर अपनाये एवं साथ ही वैज्ञानिकों को गुणवत्ता युक्त प्रकाशन हेतु प्रेरित किया जाये।

विशिष्ठ अतिथि डॉ. अरूण ए. पटेल, पूर्व निदेशक, प्रसार शिक्षा, आनंद कृषि विश्वविद्यालय, आनंद ने कृषि विज्ञान केन्द्रों के कार्यों की सराहना करते हुए बताया कि सभी कृषि विज्ञान केन्द्र किसानों, कृषक महिलाओं, ग्रामीण युवाओं व भूमिहीन कृषकों के लाभ के लिए अच्छे कार्य कर रहे हैं। किसानों की आय 2022 तक दुगुनी हो, इसके लिए प्रत्येक कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा एक गाँव गोद लेकर समन्वित प्रयास किया जावे। डॉ. पटेल ने कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों को मूल्य आधारित प्रकाशन पर जोर दिया, जिससे कृषि विज्ञान केन्द्रों की आय वृद्धि के साथ ही अन्य विभागों द्वारा आयोजित प्रशिक्षणों में प्रतिभागियों को गुणवत्ता युक्त प्रकाशन मिल सके। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि खेती में मूल्य संर्वधन

एवं प्रसंस्करण के बिना कृषकों की आय वृद्धि नहीं हो सकती। अतः इन तकनीकीयों को कृषकों के मध्य अधिकाधिक प्रसारित किया जाये। भारतीय कृषि कौशल परिषद के माध्यम से पॉली हाउस रिपेयरिंग एवं रखरखाव पर प्रशिक्षण आयोजित करवाने हेतु प्रयास किये जाये। डॉ. पटेल ने प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा नवाचारों एवं नवीन तकनीकीयों को कृषकों के उत्थान में किये जा रहे कार्यो की प्रशंसा करते हुए विश्वविद्यालय के कार्यो की सराहना की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कृषि विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 डी.सी. जोशी ने कृषि में नवाचारों को वैज्ञानिक ढ़ंग से अपनाने पर जोर देते हुए व्यावसायिक स्तर पर कार्य करने की आवश्यकता जताई। इसके साथ ही उन्होंने सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों से जिला स्तरीय स्टेट्स रिपोर्ट तैयार करने को कहा ताकि तदानुसार जिले के किसानों के लिए कृषि संबंधी रूपरेखा व रणनीति तैयार की जा सके तथा जैविक खेती आधारित समन्वित कृषि प्रणाली की जीवन्त इकाई स्थापित करने की जरूरत बताई। कुलपति महोदय द्वारा सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों को जीवन्त प्रदर्शन इकाईयों को तकनीकी मापदण्ड के अनुरूप बनाये जाने के निर्देश दिये तथा कहा कि आवश्यकतानुसार कौशल विकास पर प्रशिक्षण आयोजित किये जाये। कृषकों की आय बढ़ाने हेतु आधुनिकीकरण करने की आवश्यकता पर ध्यान दे इस हेतु उत्पादन बढ़ाना, कृषि लागत कम करना एवं जलवायु परिवर्तन के अनुसार कृषि में बदलाव करना। कृषि विश्वविद्यालय, राज्य सरकार एवं अन्य सहयोगी संस्थायें मिलकर नये–नये प्रयोग व अनुसंधान द्वारा नवीन किस्मों का विकास, नवोनमेषी तकनीकीयों का प्रचार प्रसार, उन्नत किस्मों का बीज उत्पादन, सिंचाई प्रबंधन, खाद्य उर्वरक प्रबंधन, समन्वित कीट व रोग प्रबंधन एवं कटाई उपरान्त मूल्य संर्वधन तथा प्रसंस्करण अपनाकर कृषकों की आय वृद्धि हेतु प्रयास किये जाने चाहिये। कुलपति महोदय ने वैज्ञानिकों को सुझाव दिया कि मूल्य श्रंखला को ध्यान में रखते हुए अनुसंधान एवं प्रसार गतिविधियों में नवोनमेषी तकनीकी को अपनाया जाये, साथ ही देश–विदेश में हो रहे नवीन अनुसंधान को कृषकों के खेत तक पहुँचाने में अग्रणी भूमिका निभाये।

माननीय कुलपति महोदय ने बताया कि कोरोना महामारी के दौरान जब संगठित क्षेत्रों की इकाईयों में उत्पादन रूक गया था परन्तु इस विकट परिस्थितियों में भी कृषि क्षेत्र बहुत कम प्रभावित रहा जिससें प्रेरित होकर युवा एवं उद्यमी भी कृषि एवं पशुपालन से जुड़े व्यवसायों में अपनी आय अर्जन का माध्यम तलाशने लगे हैं। इस महामारी के दौरान कृषकों से संचार का एक मात्र माध्यम सूचना एवं संचार तकनीकियाँ (ICT) एवं इन्टरनेट रहा। अतः इन नयी तकनीकियों का कृषि शिक्षा, प्रसार एवं अनुसंधान में बढ़ावा देने की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त माननीय कुलपति महोदय ने सुझाव दिये की कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा पर मशरूम उत्पादन एवं प्रशिक्षण पर जीवन्त इकाई हेतु विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करके उचित वित्तीय संस्था को प्रस्तुत करें। प्रत्येक कृषि विज्ञान केन्द्रों पर औषधिय एवं खुशबुदार पौधों की जीवन्त इकाई स्थापित की जाये। किसी एक कृषि विज्ञान केन्द्र पर मछली पालन इकाई लगाये जाये एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों के ज्ञानवंधन तथा नवीनीकरण हेतु समय–समय पर दक्षता आधारित प्रशिक्षण आयोजित करने की आवश्यकता जताई।

अध्यक्ष महोदय की अनुमति से परिषद के अन्य एजेण्डा बिन्दु क्रमवार प्रस्तुत किये गये–

AUK/EEC-4/2021/5 पशुपालन विषय पर तीन माह अवधि का रोजगार उन्मुख कौशल दक्षता प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने के प्रस्ताव के अनुमोदन बाबत्।

निर्णयः– विस्तृत चर्चा उपरान्त सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा द्वारा निम्नलिखित दो विषयों पर कौशल दक्षता प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने हेतु प्रस्ताव रखे जाये।

1. पशुपालन
2. खाद्य प्रसंस्करण

(कार्यवाही:निदेशक, प्रसार शिक्षा/वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा)

AUK/EEC-4/2021/6 रावे छात्रों की लम्बे समय तक उपलब्धता तथा कृषि विज्ञान केन्द्रों के अतिरिक्त विश्वविद्यालय की अन्य इकाईयों पर आवंटन के प्रस्ताव के अनुमोदन बाबत्।

निर्णयः– विभिन्न सरकार/गैर सरकारी महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों के छात्र रावे कार्यक्रम के लिए कृषि विज्ञान केन्द्रों पर आवंटित किये जाते है। अतः इन छात्रों की लम्बे समय तक केन्द्र पर उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु सर्वसम्मति से यह निर्णय किया गया कि उक्त पाठ्यक्रम एक सेमेस्टर में आवश्यतानुसार 2–3 बार चलाया जावें तथा इस बाबत् सभी इच्छुक महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों को सूचना दी जाये। इसके अतिरिक्त यह भी निर्णय लिया गया कि आवश्यकतानुसार रावे के छात्रों को कृषि विज्ञान केन्द्रों के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के यांत्रिक कृषि फार्म, उम्मेदगंज तथा कृषि अनुसंधान केन्द्र, उम्मेदगंज पर भी आवंटित किया जावें।

(कार्यवाही : निदेशक, प्रसार शिक्षा/निदेशक, अनुसंधान)

AUK/EEC-4/2021/7 RAWE/Student READY के छात्रों से प्राप्त शुल्क के वितरण के प्रस्ताव का अनुमोदन बाबत्।

निर्णयः– वर्तमान में निजी महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों तथा राज्य के अन्य कृषि महाविद्यालय/विश्वविद्यालय के RAWE/Student READY के छात्रों से शुल्क लेने का प्रावधान है। उक्त कार्यक्रम के अन्तर्गत छात्रों से प्राप्त शुल्क से हुई आय का वितरण निम्न प्रकार करने का निर्णय लिया गयाः–

क्र.सं.	विवरण	शुल्क वितरण (प्रतिशत)	टिप्पणी
1	RAWE/Student READY कार्यक्रम आयोजित करवाने वाली इकाई	50 प्रतिशत	इकाई के रिवाल्विंग फण्ड में जमा करवाना
2	संस्थागत शुल्क	30 प्रतिशत	विश्वविद्यालय विकास मद में जमा करवाना
3	निदेशालय प्रसार शिक्षा	10 प्रतिशत	निदेशालय प्रसार शिक्षा के रिवोलविंग फण्ड में जमा करवाना
4.	मानदेय आयोजित कराने वाले सदस्यों के बीच	10 प्रतिशत	• समन्वयक 5 प्रतिशत • सह–समन्यक 2 प्रतिशत • कम्प्यूटर ऑपरेटर/तकनीकी कर्मचारी 1 प्रतिशत • वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष 1 प्रतिशत • सहायक कर्मचारी 1 प्रतिशत

उक्त प्रस्ताव को विश्वविद्यालय की आगामी वित्त समिति के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किये जाने का निर्णय किया गया।

कार्यवाही : निदेशक, प्रसार शिक्षा

AUK/EEC-4/2021/8 कृषक हितैषी नवोन्मेषी तकनीकों की लघु–फिल्म (डाक्यूमेन्ट्री) बनाने के प्रस्ताव का अनुमोदन बाबत्।

निर्णयः– परिषद ने सुझाव दिया कि कृषक हितैषी नवोन्मेषी तकनीकों की 5–6 मिनट अवधि की लघु–फिल्म (डाक्यूमेन्ट्री) बनाई जानी चाहिये ताकि इन फिल्मों को विभिन्न कार्यक्रमों में प्रदर्शित किया जा सके। परिषद ने सर्वसम्मति से निम्नांकित समिति के गठन का अनुमोदन किया जो कि फिल्म के माध्यम से प्रदर्शन की जाने वाली तकनीको का चयन करेगी तथा विश्वविद्यालय के सम्बन्धित विशेषज्ञ की सहायता से इस कार्य में दक्ष बाह्य एजेन्सी द्वारा कार्य निष्पादित करेगी –

1. निदेशक, अनुसंधान, कृ.वि.वि., कोटा – समन्वयक
2. निदेशक, प्राथमिकमा निरीक्षण एवं मूल्यांकन, कृ.वि.वि., कोटा–सदस्य
3. अधिष्ठाता, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड– सदस्य
4. क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक, उम्मेदगंज, कोटा– सदस्य
5. वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, केवीके, कोटा– सदस्य

AUK/EEC-4/2021/9 विश्वविद्यालय में श्रेष्ठ प्रसार शिक्षाविद (Best Extension Educationist) सम्मान की स्थापना करने के प्रस्ताव का अनुमोदन बाबत्।

निर्णयः– सर्वसम्मति से विश्वविद्यालय में श्रेष्ठ प्रसार शिक्षाविद संम्मान (Best Extension Educationist) प्रारम्भ करने का निर्णय लिया गया। इस "सम्मान" के अन्तर्गत विजेता व्यक्ति को रू0 10,000/– नगद, स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र के प्रावधान को मंजूरी दी गई। इस सम्बन्ध में माननीय कुलपति के अनुमोदन उपरान्त निदेशक मानव संसाधन विकास, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की अध्यक्षता में समिति बनाने का निर्णय लिया गया। उक्त समिति सम्मान हेतु योग्यता, अर्हताऐं एवं स्कोर कार्ड का विस्तृत प्रस्ताव आगामी अकादमिक परिषद की बैठक में प्रस्तुत करेंगी।

कार्यवाही : निदेशक, मानव संसाधन विकास

AUK/EEC-4/2021/10 विश्वविद्यालय स्तर पर पी.पी.पी. मोड पर ऑनलाईन/आफलाईन कृषक मेला आयोजित करने के प्रस्ताव का अनुमोदन बाबत्।

निर्णयः– परिषद ने सर्वसम्मति से इस प्रस्ताव का अनुमोदन किया कि विश्वविद्यालय द्वारा "ईवेंट मेनेजमेन्ट कम्पनी" द्वारा पीपीपी मोड पर ऑनलाईन अथवा आफलाईन मोड पर कृषक मेला आयोजित किया जा सकता है।

कार्यवाही : निदेशक, प्रसार शिक्षा

AUK/EEC-4/2021/11 कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा आयोजित प्रक्षेत्र अनुसंधान परीक्षणों (OFTs) का अन्तिम रूप सम्भागीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति के द्वारा निर्धारित किये जाने के प्रस्ताव का अनुमोदन

निर्णयः– प्रस्ताव का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

कार्यवाही : निदेशक, अनुसंधान/
क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक/ समस्त
वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष

बैठक के अन्त में डॉ. मुकेश गोयल, वरिष्ठ प्राध्यापक, प्रसार शिक्षा ने परिषद के सभी सदस्यों का बैठक में उपस्थित होने एवं उनके द्वारा दिये गये सुझावों के लिए आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

निदेशक प्रसार शिक्षा एवं सदस्य सचिव

प्रतिलिपिः–

1. निजी सचिव, माननीय कुलपति कृषि विश्वविद्यालय, कोटा।
2. सभी सदस्य।
3. रक्षित पत्रावली।

निदेशक प्रसार शिक्षा एवं सदस्य सचिव